दोहोवट * अखाका. [खेदानमेदान, विनाश]; जुओ दोवट दोंकार ऐतिका. तबलानो अवाज **दौ** *सिंहा (शा)*. बे [सं.द्यौ] दौगंधक शंगामं. जैन शास्त्र प्रमाणेनी एक देवजाति (सं.दोगुंदक) **यल** मदमो. दिले. हृदयमां **द्याढि** कादं(शा). नलाख्या. दहाडे (सं. दिवस-) **द्यामणुं** *नलाख्या. प्रेमाका*. दयामणुं **याहाडी** लस्तस. दहाडी. दररोज **द्याहाडो** *ह्यतस*. दहाडो **द्योती** *प्रेमाका*. प्रकाशी यो अखाका. आकाश [सं.] **द्रउडइ** *आरारा. उक्तिर. गुर्जरा.* दोडे (सं. द्रवति, द्राति) द्रम गुर्जरा. वृक्ष (सं.द्रुम) द्रमक उपबा. चलणनुं नाम (सं.) द्रमकी गुर्जरा. विराप. [धमधम] अवाज करी द्रमद्रमइ उक्तिर. गुर्जरा. धमधमे द्रम्मामु उक्तिर. दमाम; जुओ द्रुमाम द्रव अभिक, द्रव्य द्रवडिउ थडाबा. दोड्यो (सं.द्रवते) द्रव्य(?) (केंद्रव्य) मदमो. -, [*निर्धन] **द्रव्य अध्यातम ***आनंस्त. द्रिव्याश्रयी -द्रव्य एटले पदार्थ, मूर्त के अमूर्त, तेनो आश्रय करनार अध्यात्म] जि.] **द्रव्य** *आरारा*. द्रव्य **१ए** *नरप(द)*. [दृष्टि], आंख

द्रष्ट्यमुख्य चित्तसं. दृष्टिथी अने मुष्टिथी ग्रही शकाय एवा अनुभववाळुं, प्रत्यक्ष अनुभववाळुं **द्रस्ये पड्युं** *चित्तसं*. समजमां आव्युं, ख्यालमां आव्यूं **द्रसुका** विमप्र. *ध्रासका, युद्धना मोटा अवाज । **द्रह** वाग्भवा. धरो [सं.हद]; लावल. तळाव. सरोवर **ब्रहब्रहवार** उक्तिर. संध्यासमय ब्रहब्रहीय गुर्जरा. [धमधमी], अवाज करी द्रहो अखाछ. धरो [सं.हद] **द्रंग** *ऐतिका*. दुर्ग, [नगर] [सं.] द्राख आरारा(व). उक्तिर. गुर्जरा. लावल. वीसरा. षडाबा. द्राक्ष (सं.द्राक्षा) द्राम अंबरा. उक्तिर. प्राचीका. प्रेमाका. मोसाच. दाम, पैसा (सं.द्रम्भ) द्राहि नरप. दृष्टि, नजर **द्ध** **लावल*. [ध्रुवनो तारो] **द्वुउ** *प्राचीका*. ध्रुवनो तारो **द्रुडि** कादं(शा). दोडे **द्धमचोला (विद्धमचोला)** **लावल*. [परवाळा जेवा राता] **द्वमंडल** *प्राचीका*. ध्रुवमंडल, [ध्रुवप्रदेश] **द्धमाम** *हम्मीप्र.* दमाम, दबदबो; जुओ द्रम्मामु द्र कृष्णवा. हरिवि. ध्रुव [हिरण्यकशिपुनो पुत्र]; हरिवि. ध्रुव, [अचल, स्थिर] **द्रपद** नलरा. प्राचीफा. ध्रुवपद, पद्यमां दरेक

कडीने अंते पुनरुक्त थती पंक्ति, टेक

द्रमंडल कृष्णच. ध्रुवमंडल, [ध्रुवनो तारो]